www.xtrapapers.com

IB DIPLOMA PROGRAMME
PROGRAMME DU DIPLÔME DU BI
PROGRAMA DEL DIPLOMA DEL BI

M07/2/ANHIN/SP1/HIN/TZ0/XX/T

22072811

HINDI *AB INITIO* – STANDARD LEVEL – PAPER 1
HINDI *AB INITIO* – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 1
HINDI *AB INITIO* – NIVEL MEDIO – PRUEBA 1

Monday 7 May 2007 (morning)
Lundi 7 mai 2007 (matin)
Lunes 7 de mayo de 2007 (mañana)

1 h 30 m

TEXT BOOKLET – INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this booklet until instructed to do so.
- This booklet contains all of the texts required for Paper 1.
- Answer the questions in the Question and Answer Booklet provided.

LIVRET DE TEXTES – INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas ce livret avant d'y être autorisé(e).
- Ce livret contient tous les textes nécessaires à l'épreuve 1.
- Répondez à toutes les questions dans le livret de questions et réponses fourni.

CUADERNO DE TEXTOS – INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra este cuaderno hasta que se lo autoricen.
- Este cuaderno contiene todos los textos para la Prueba 1.
- Conteste todas las preguntas en el cuaderno de preguntas y respuestas.

© IBO 2007

www.xtrapapers.com

पाठांश क: "जॉन पॉटर से इंटरव्यु"

उदाहरण	**मेरा नाम जॉन पॉटर है। मैं लंदन विश्वविद्यालय में हिन्दी का विद्यार्थी हूँ।**
प्रश्न १	मेरे माता-पिता भारत में रहते हैं और मैं वहाँ जाकर घूमना चाहता हूँ।
प्रश्न २	वे 'चेरिटी' का काम करते हैं। मेरी माता औरतों को पढ़ने-लिखने में मदद देती हैं और मेरे पिताजी अंधे लोगों के डाक्टर हैं।
प्रश्न ३	मैं ख़ासकर ताज महल और वाराणसी देखना चाहता हूँ। वाराणसी में मैं नाव में गंगा की सैर करना चाहता हूँ। मैं संस्कृत और मंदिर देखने में भी रुचि लेता हूँ ।
प्रश्न ४	मेरी माताजी अच्छा भारतीय खाना बनाती हैं तो मैंने उसे बचपन से ही खाया। मैं जो भी दूसरे लोग खाते हैं खाऊँगा जब तक शाकाहारी हो।
प्रश्न ५	कभी कभी। मैं उबला हुआ पानी ही पीता हूँ और रेलवे स्टेशन में खाना नहीं खाता। लेकिन थोड़ा बीमार होने में कोई नुक्सान नहीं है।
प्रश्न ६	शायद। मैं अपनी माँ की तरह अध्यापक बनना चाहता हूँ। इसलिए मैं यू.के. में पढ़कर भारत लौटूँगा ताकि मैं गरीब बच्चों के लिए स्कूल खोल सकूँ ।

www.xtrapapers.com

पाठांश खः "पुस्तकालय"

पुस्तकालय शब्द का अर्थ है: किताबों का घर। यह शब्द पुस्तक और आलय दो शब्दों के मेल से बना है। पुस्तकालय न केवल ज्ञान देने का सब से अच्छा साधन है लेकिन यह मनोरंजन का साधन भी है। पुस्तकालय हर शहर में होते हैं। ये सरकारी, स्थानीय और निजी होते हैं।

पुस्तकालय का लाभ हर उम्र के लोग उठा सकते हैं। हर पुस्तकालय में एक जगह है जहाँ बूढ़े और बच्चे आकर शांत वातावरण में पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ सकते हैं। पुस्तकालय में हर भाषा के समाचार पत्र भी मिलते हैं। विद्यार्थी यहाँ आकर समाचार पत्र पढ़ सकते हैं। सार्वजनिक पुस्तकालय जनता के लिए ही बनाए जाते हैं। इन्हें सरकार चलाती है।

पुस्तकालय में देश-विदेश की विभिन्न विषयों की किताबें, प्राचीन ग्रंथ, समाचार पत्र और पत्रिकाएँ भी मिलती हैं। हर व्यक्ति के लिए इतनी किताबें खरीदना या घर पर रखना संभव ही नहीं है इसलिए पुस्तकालय ऐसी जगह है जहाँ कोई भी व्यक्ति जाकर उनको पढ़ सकता है।

पुस्तकालय से हर कोई फायदा उठा सकता है लेकिन इसके प्रति हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। कभी कभी कुछ विद्यार्थी पुस्तकालय की पुस्तकों के पृष्ठ फाड़ लेते हैं। ऐसे में दूसरे लोग उस किताब का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। पुस्तकों को किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुँचाई जानी चाहिए। पुस्तकालय से ली गई पुस्तकों को समय पर लौटा देना चाहिए। अगर संभव हो तो हमें कुछ किताबें पुस्तकालय में दान भी देनी चाहिए।

www.xtrapapers.com

पाठांश ग: "स्कूल में बच्चों के लिए दोपहर का खाना"

दुनिया का स्कूल में खाने का सबसे बड़ा कार्यक्रम।

१२ करोड़ बच्चे अब तक इसमें शामिल।

- इस कार्यक्रम के तहत सभी सरकारी और सरकारी मदद से चल रहे स्कूलों में पहली से पाँचवीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चों को हर दिन मुफ़्त दोपहर का खाना दिया जाता है।

- कार्यक्रम के लिए भारत सरकार स्कूलों को रोज़ १०० ग्राम हर बच्चे के हिसाब से गेहूँ या चावल देती है।

- दाल, सब्ज़ी, तेल, मसाले और खाना पकाने के लिए हर एक बच्चे के लिए रोज़ एक रुपए के हिसाब से पैसा दिया जाता है।

- इसके अलावा अनाज को लाने-ले जाने का खर्च अलग से दिया जाता है।

- कई राज्य अपनी तरफ़ से और पैसा जोड़कर खाने को बेहतर बना रहे हैं।

- सूखा पड़े इलाकों में गर्मियों की छुट्टियों में भी खाना दिया जाता है।

- हर रोज़ अलग-अलग खाना, जैसे दाल-भात, रोटी-सब्ज़ी, खिचड़ी, दलिया, चावल-साँभर, खीर वगैरह परोसा जा सकता है ताकि सब बच्चे मिलजुलकर शौक से खा सकें।

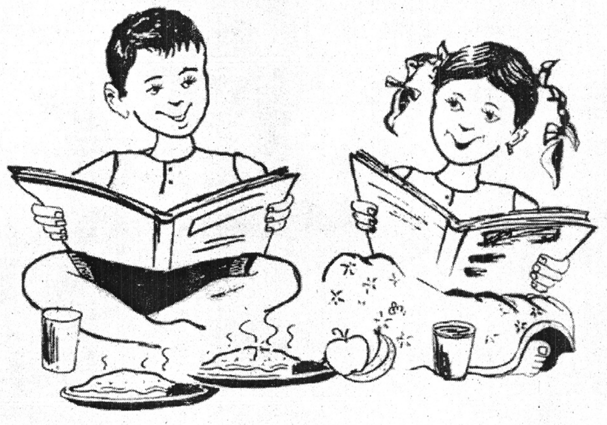

मिलजुल खाएं मिलजुल सीखें

www.xtrapapers.com

पाठांश घ: "ताज एयरलाइनज़" (Taj Airlines)

मार्च २००७ से ताज एयरलाइनज़ अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को नीचे दिए गए लाभ देंगे:

छूट: अगर आप मुंबई से सफ़र करें तो आपको हर फ़्लाइट पर १०% छूट (डिस्काऊंट) मिलेगी; २०% अगर आप दिल्ली से सफ़र करें!
हवाई जहाज़ में खाना: अब हर ताज फ़्लाइट पर शाकाहारी और मासाहारी खाना दोनों मिलेगा। हिन्दी और अंग्रेज़ी फ़िल्में दोनों दिखाई जाएँगी।
दूसरे लाभ: जो यात्रि छोटे बच्चों के साथ सफ़र करते हैं उनके लिए घर से दिल्ली हवाई अड्डे तक मुफ़्त की टैक्सी का इंतज़ाम है। अमरीका के लिए हर फ़्लाइट पर आपको ज़्यादा एयर-माइल और न्यू योर्क का मुफ़्त गाइड मिलेंगे।
सामान: क्या आप अपने सामान के वज़न के बारे में परेशान हों? चिंता न करें! हम आपको हर फ़्लाइट पर २८ कीलो सामान ले जाने देते हैं।
हवाई जहाज़ पर सुविधाएँ: लंबे यात्रियों के लिए सफ़र करना मुश्किल हो सकता है। इसलिए हम जपान और चीन के लिए हर फ़्लाइट पर ज़्यादा बैठने की जगह देते हैं। और हम यूरोप के लिए हर फ़्लाइट पर फ़्राँसीसी और जर्मन अनुवाद करवा सकते हैं।
बच्चों के साथ यात्रा?: हम आपको हर तरह की मदद करेंगे, और फ्लाइट पर बच्चों के लिए मुफ़्त की कहानी की किताबें और पेंसिलें मिलेंगी।

अब ताज एयरलाईनज़ से अपनी टिकट खरीदें! आपको बहुत ही ख़ुशी मिलेगी!!